

जार पुं. (तत्.) वह पुरुष जिसका किसी विवाहिता स्त्री से अवैध संबंध हो, पर स्त्री प्रेमी, यार, आशना **वि.** मारने वाला-नाश करने वाला।

जारक वि. (तत्.) 1. जलाने वाला 2. पाचक।

जार कर्म पुं. (तत्.) व्यभिचार, छिनाला।

जारज पुं. (तत्.) अवैध संतान, किसी स्त्री की संतान जो उसके जार या उपपति से पैदा हुई हो, दोगली संतति।

जारज योग पुं. (तत्.) फलित ज्योतिष में एक योग जिससे यह सिद्धांत निकाला जाता है कि बालक अपनी माता के उपपति से पैदा हुआ है।

जारजेट स्त्री. (अं.) एक प्रकार का महीन और बढ़िया कपड़ा।

जारण पुं. (तत्.) पारे का एक (ग्याहरवाँ) संस्कार, जलाना, भस्म करना, धातुओं को फूँकना।

जारणी स्त्री. (तत्.) बड़ा जीरा, सफेद जीरा।

जारन पुं. (तद्.) जलाने की लकड़ी।

जारिणी स्त्री. (तत्.) वह स्त्री जिसका किसी पर पुरुष से संबंध है, दुश्चरित्र स्त्री।

जारित वि. (तत्.) 1. गलाया हुआ 2. पचाया हुआ, शोधी हुई (धातु)।

जारी पुं. (अर.) 1. बहता हुआ, प्रवाहित 2. प्रचलित।

जारुथ्य पुं. (तत्.) वह अश्वमेध यज्ञ जिसमें तिगुनी दक्षिणा दी जाए।

जारोब स्त्री. (फा.) झाड़ू, बुहारी, कूँचा।

जालंधर पुं. (तत्.) एक ऋषि का नाम 2. एक दैत्य का नाम 3. पंजाब में एक नगर।

जालंधरी विद्या स्त्री. (तद्.) मायाजाल, इंद्रजाल, माया।

जाल पुं. (तत्.) तार या सूत आदि की बुनी हुई रचना जिसका व्यवहार मछलियों/चिड़ियों को पकड़ने के लिए किया जाता है मुहा. जाल बुनना- षड्यंत्र करना; जाल फँकना- फँसाना; जाल

बिछाना- जाल फैलाना, किसी को फँसाने की युक्ति 2. मकड़ी का जाल 3. इंद्रजाल 4. झरोखा 5. आँखों का एक रोग।

जालक पुं. (तद्.) 1. झरोखा 2. मोतियों का बना एक प्रकार का आभूषण 3. केला 7. चिड़ियों का घोंसला।

जालकिनी स्त्री. (तत्.) भेड़ी।

जालकी स्त्री. (तद्.) बादल।

जालसाज वि. (अर.) धोखा रचने वाला व्यक्ति, दूसरों को धोखा देने वाला व्यक्ति।

जालसाजी स्त्री. (अर.) फरेब का काम, दगाबाजी।

जाला पुं. (तद्.) 1. मकड़ी का बुना हुआ जाल 2. सूत या सन का बना जाल जिसमें घास-भूसा आदि बाँधे जाते हैं 3. आँख का रोग।

जालाक्ष पुं. (तत्.) झरोखा, गवाक्ष।

जालिक वि. (तत्.) जाल से जीविका अर्जित करने वाला।

जालिका स्त्री. (तत्.) 1. पाश, फंदा 2. जाली 3. कवच 4. मकड़ी 5. लोहा 6. जोंक 7. केला।

जालिनी स्त्री. (तत्.) 1. तोरई, घिया 2. चित्रशाला 3. परवल की लता 4. पिड़िका रोग का एक प्रकार जिसमें रोगी के शरीर में फुंसियाँ हो जाती हैं।

जालिम वि. (अर.) जुल्म करने वाला, अत्याचारी।

जालिया वि. (अर.+फा.) जाल, फरेब आदि करने या धोखा देने वाला।

जाली स्त्री. (देश.) 1. खल 2. तोरई 3. लकड़ी पत्थर या धातु से बने छोटे-छोटे छंदों का समूह **वि.** (अर.) नकी, बनावटी, झूठा प्रयो. जाली सिक्का- नकली सिक्का।

जाल्म वि. (तत्.) 1. पामर, नीच 2. मूर्ख, बेवकूफ 3. जालिम, कठोर, निष्ठुर।

जाल्य पुं. (देश.) शिव, महादेव।

जावँत दे. यावत।

जावक पुं. (तद्.) अलता, महावर।